मिस्र के राजा (फिरौन) --- १

मिस्त्र के सर्वोच्च शासक के लिये प्रयुक्त यह उपाधि/पदवी दो मिस्री शब्दों से मिल कर बनी है जिसका अर्थ होता है "महान घर"। फिरौन के नामों के साथ अन्य मानोपाधियां भी जोड़ी गई थी, जैसे "रे का पुत्र" (रे मिस्र का सूर्य देव था) या "ऊपरी और निचले मिस्त्र का राजा।" अब्राहम के समय के दौरान "फिरौन" का अर्थ होता था "राजा", इसलिये बाइबल मिस्र के शासक का उल्लेख करने के लिये इन दोनों शब्दों का प्रयोग करती है। जब मिस्र के राजा की मृत्यु हुई, तो उसकी पहचान "ओसिरिस" के साथ की गई। ओसिरिस एक मिस्री देवता था जिसकी मृत्यु हुई और उसने मृत्यु पर विजय पाई, और माना जाता था कि वह मृतकों के संसार पर राज्य करता है। फिरौन के प्राचीन चित्रों में उन्हें सामान्यतः अधिकार का चिन्ह पकड़े हुए दिखाया जाता है, जैसे कि चरवाहे की लाठी, गदा, या चन्द्राकार तलवार। उसके ताज पर कोबरे का चिन्ह होता था, जो शत्रुओं से फिरौन की रक्षा करने वाला माना जाता था। बाइबल के पुराने नियम में मिस्त्र के कई फिरौनों का वर्णन आया है जिनका विवरण ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर निम्नानुसार है।

उत्पत्ति और निर्गमन में उल्लिखित फिरौन/मिस्र के राजा

फिरौन/राजा एवं तिथियाँ (ई.पू.)	संभावित परिचय	बाइबल सन्दर्भ
नाम अज्ञात	सारा को अब्राहम की बहिन जानकर जिसके घर में भेज दिया गया था	उत्पत्ति १२:१५
सेसोस्रिस तृतीय १८७८-१८४३	फिरौन, जिसने यूसुफ को मिस्त्र में अधिकारी बनाया तत्पश्चात याकूब ने मिस्र में प्रवेश किया	उत्पत्ति ४१:४१
अमेनेम्हात तृतीय १८४३-१७९७	फिरौन, जिसके शासनकाल में यूसुफ की मृत्यु हुई	उत्पत्ति ५०:२६
१७९७ ई.पू. से १५४६ ई.पू. तक अर्थात २५० वर्षों के काल के प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं किन्तु संभवतः ये वह काल था जब इस्राएली मिस्र में शक्तिशाली होने लगे। निर्गमन १:७		
अहमोस प्रथम १५७०-१५४६	फिरौन, जो यूसुफ को नहीं जानता था	निर्गमन १:८
अमेनहोतेप प्रथम १५४६-१५२५	फिरौन, जिसने इस्राएलियों के बेटों को मारकर उनकी जनसंख्या घटाने का प्रयास किया	निर्गमन १:१६
थूतमोस प्रथम १५२५-१५१२	फिरौन, मूसा के जन्म के समय	निर्गमन २:२
थूतमोस द्वितीय १५१२-१५०४	फिरौन, जो मूसा के जवान होने तक राजा रहा	निर्गमन २:११
थूतमोस तृतीय १४८२-१४५०	फिरौन, जिसने इस्राएलियों को बहुत क्लेश दिया	निर्गमन २:२३
अमेनहोतेप द्वितीय १४५०-१४२३	फिरौन, निर्गमन के समय	निर्गमन १२:३७

उपरोक्त तिथियाँ संभावित हैं। विभिन्न बाइबलों में दी गई तिथियों में सूक्ष्म परिवर्तन प्राप्त होते हैं।